BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

बिहार सरकार
उद्योग विभाग

+91 0612 2547371
+91 85442 99526
https:// biharfoundation. bihar.govt.in

सम्प्रति बिहार

बिहार फाउन्डेशन की प्रस्तुति

बिहार के महत्वपूर्ण अखबारों में छपे **सकारात्मक** समाचारों का संकलन

आषाढ़ कृष्ण पक्ष अष्टमी मंगलवार विक्रम संवत् 2079। 21 जून 2022

6TH FLOOR, INDIRA BHAWAN, RCS PATH, PATNA-800001. BIHAR, INDIA.

JKDESIGN 8369994118

इको टूरिज्म से भरेगी पर्यटन की झोली

बढ़ता बिहार उद्यम बिहार

राज्य ब्यूरो, पटना : शहरों की भीड़ व शोर-गुल से दूर जंगल और पहाड़ों की सैर, जहां आवाज भी सुनाई दे तो सिर्फ नदी और झरनों के कलकल की या फिर चिड़ियों की चहचहाहट। इको टूरिज्म का लुत्फ यही है। बिहार इस मामले में धनी है। इसे प्रकृति से जल, जंगल, पहाड़ की खूबसूरती झोली भर कर मिली है। अब यही खूबसूरती पर्यटन की झोली भरेगी। राज्य सरकार भी इको टूरिज्म का महत्व समझते हुए इस पर विशेष फोकस किया है।

धार्मिक पर्यटन के बाद लिए प्रसिद्ध बिहार अब इको टूरिज्म के क्षेत्र में भी अपनी बड़ी पहचान बना रहा है। पिछले कुछ वर्षों में इस दिशा में बेहतर काम हुआ है और इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। सरकार इको टूरिज्म के लिए अलग से नीति भी बना रही है। वाल्मीकिनगर टाइगर रिजर्व, राजगीर नेचर सफारी, जंगल सफारी, रोहतास का तुतला भवानी जलप्रपात, मुंगेर एवं जमुई जिले की सीमा पर स्थित भीमबांध गर्म जलकुंड, बांका मंदार पर्वत और रोप-वे जैसे कई पर्यटन केंद्र विकसित किए गए हैं। आधा दर्जन से अधिक योजनाएं अभी पाइपलाइन में हैं। इसमें कैमूर वन्य प्राणी आश्रयणी सबसे प्रमुख है। यह राज्य का सबसे बड़ा जंगली क्षेत्र है।

राजगीर में जू सफारी का विहंगम दृश्य। ● जागरण

राजगीर में नेचर और जू सफारी

पांच पहाड़ियों से घिरा राजगीर राज्य में इको टूरिज्म का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। राजगीर में घोड़ा कटोरा झील का प्राकृतिक सौंदर्य है, तो रोप-वे का रोमांच भी। पिछले एक साल में नेचर सफारी और जंगल सफारी के रूप में दो बड़े तोहफे राजगीर को मिले हैं। इसके बाद यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या भी लगभग दोगुनी हो गई है। नेचर सफारी में प्रकृति के बीच ग्लास ब्रिज का रोमांच पर्यटकों को खूब पसंद आ रहा। राजगीर में इसी फरवरी में जू सफारी की भी शुरुआत हो गई है, जहां आप बाघ, शेर, भालू, चीता और हिरण को खुले जंगल में विचरण करते हुए देख सकते हैं।

900 वर्ग किमी में फैला वाल्मीकि टाइगर रिजर्व, राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा है प्राप्त

इको टूरिज्म की बात हो और वाल्मीकिनगर टाइगर रिजर्व की बात न हो यह संभव नहीं। वाल्मीकिनगर टाइगर रिजर्व को राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा प्राप्त है। पश्चिम चंपारण स्थित वाल्मीकि व्याघ्र अभयारण्य करीब 898 वर्ग किमी में फैला है। यहां बाघ के साथ मुख्य रूप से तेंदुआ, लकड़बग्घा, जंगली कुत्ता, भालू, चीतल, सांभर, गौर व कोटरा आदि जंगली जानवर पाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त तीन सौ से अधिक चिड़ियों की प्रजातियों को भी देखा जा सकता है। हिमालय की तराई में छोटी-छोटी पहाड़ी खलाओं के बीच जंगल में रहने के लिए इको-हट की भी व्यवस्था है।

मुंगेर और जमुई में गरम जलकुंड

जमुई रेलवे स्टेशन से 31 किमी, जबकि झाझा रेलवे स्टेशन से मात्र 12 किमी की दूरी पर नागी नकटी स्थित है। इसे वर्ष 1987 में बर्ड सेंक्चुरी घोषित किया का था। यह 2.1 वर्ग किमी में है। यहां तितलियां भी खूब मिलती हैं। मुंगेर एवं जमुई जिले की सीमा पर स्थित भीमबांध गर्म जलकुंड भी पर्यटकों के लिए बड़ा आकर्षण है। इसी साल बांका में मंदार पर्वत पर रोप-वे की भी शुरुआत की गई है। जमुई के पास ही माधोपुर में बना जैव विविधता उद्यान यानी महावीर वाटिका में पर्यटक हजारों किस्म के पेड़-पौधे देख सकते हैं। बांका के ओढ़नी झील में भी कई नई सुविधाएं आरंभ की गई है।

पर्यटकों को बुला रहीं कैमूर-गया की पहाड़ियां

प्रकृति के बीच बसे कैमूर जिले में इको टूरिज्म के तमाम अवसर हैं। तुतला भवानी झरना यहां का सबसे अड़ा आकर्षण है। हाल में यहां कई सुविधाएं भी विकसित की गई हैं। रोहतासगढ़ का किला भी बड़ा केंद्र बन सकता है। यहां रोप-वे की सुविधा शुरू करने की भी योजना है। इसके अलावा गया के ब्रह्मयोनी पर्वत, डुंगेश्वरी पर्वत और प्रेतशिला पर्वत पर भी रोप-वे का निर्माण किया जाना है।

सौजन्य से दैनिक जागरण | पटना | 21.06.2022 | पृष्ठ सं० 01

बिहार में सलाद के लिए विदेशी सब्जियों की होगी खेती

विशेष

- विदेशी प्रभेद की सब्जियों की नर्सरी लगाएगा कृषि विभाग
- नर्सरी से निकले पौधे आधे दाम पर किसानों को दिए जाएंगे
- शिमला मिर्च, चेरी, टमाटर, बीज रहित खीरा की नर्सरी लगेगी

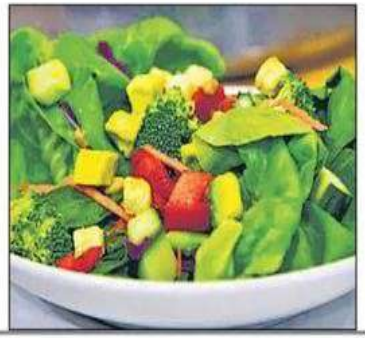

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। स्वास्थ्य को लेकर जैसे-जैसे जागरूकता बढ़ रही है, वैसे-वैसे भोजन में सलाद का उपयोग भी बढ़ रहा है। बढ़ती मांग को देखते हुए सरकार ने सलाद में उपयोग होने वाली विदेशी किस्म की सब्जियों की खेती को बढ़ावा देने का फैसला किया है। नालंदा जिले के चंडी और वैशाली के देसरी में कृषि विभाग इन फसलों की नर्सरी लगाएगा। नर्सरी से आधी कीमत पर किसानों को पौधे दिए जाएंगे। भोजन में रफेज के उपयोग की सलाह डॉक्टर अब लगभग हर मरीज को देते हैं। मधुमेह से परेशान मरीजों के लिए भी यह जरूरी बताया गया है। ऐसे में सलाद में उपयोग होने वाली सब्जियों की मांग बाजार में सबसे अधिक है। कीमत अच्छी मिलने से सब्जी उत्पादक किसान भी इसी खेती के लिए उत्साहित रहते हैं। लेकिन एक्पोर्ट क्वालिटी के बीज उन्हें नहीं मिल पाते हैं। अब सरकार ने फैसला किया है कि विदेशी प्रभेद की शिमला मिर्च, चेरी, टमाटर, बीज रहित खीरा, फूलगोभी तथा लत्तीदार सब्जियों की नर्सरी लगाएगी। इसके लिए सेंटर ऑफ एक्सिलेंस देसरी और चंडी का चयन किया गया है।

सब्जियों के पौधों पर 50% अनुदान मिलेगा

जानकारी के अनुसार विदेशी सब्जी के इन पौधों की कीमत दस रुपये प्रति पौधा है, लेकिन किसानों को सरकार आधी कीमत पर इसे देगी। इसके अलावा संकर प्रभेद की सब्जियों के बीज और पौधे भी सरकार उपलब्ध कराएगी। इन सब्जियों के पौधों पर भी 50 प्रतिशत अनुदान मिलेगा। ऐसी सब्जियों के पौधे डेढ़ रुपये में किसानों को मिलेंगे। सलाद के साथ इन सब्जियों का उपयोग चाइनिज फूड बनाने में भी होता है। शिमला मिर्च का उपयोग आजकल सूखी और हरी मिर्च से ज्यादा हो गया है। बाजार में अधिक मांग होने से कीमत भी अधिक होती है। सरकार का मानना है कि किसान अगर ऐसी फसलों की खेती करें तो उनकी आमदनी बढ़ेगी।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 21.06.2022 | पृष्ठ सं० 01

रिकॉर्ड : एक माह में एक लाख किलो बिका नैवेद्यम

पटना, वरीय संवाददाता। महावीर मंदिर के इतिहास में पहली बार नैवेद्यम् की बिक्री एक लाख किलो से भी अधिक प्रति माह हो गई है। अप्रैल 2022 में नैवेद्यम् की कुल बिक्री लगभग एक लाख उन्नीस हजार किलो और मई महीने में यह विक्रय लगभग एक लाख सत्रह हजार किलो हो गया।

जून महीने के पहले पन्द्रह दिनों में नैवेद्यम की बिक्री 58 हजार 822 किलो हुई। बताते चलें कि तिरुपति के बालाजी मंदिर के बाद देश के किसी मन्दिर में लड्डू की सबसे अधिक बिक्री महावीर मंदिर में होती है। महावीर मंदिर न्यास के सचिव किशोर कुणाल ने कहा कि महावीर मंदिर में नैवेद्यम की बिक्री अक्टूबर 1992 से हो रही है। शुरुआती दौर में औसतन 500 किलो प्रति माह बिक्री होती थी।

कोरोना काल के बाद महावीर मंदिर में भक्तों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। सामान्य रूप से मंदिर में मार्च, अप्रैल, मई एवं जून में सबसे अधिक भीड़ रहती है।

भेंट पात्र की भी बढ़ी राशि : हनुमान मंदिर के भेंट-पत्रों में डाली गयी राशि में भी बीते ढाई महीने में

महावीर मंदिर

- दान पात्रों में भेंट की गई राशि में भी हुई बढ़ोतरी
- जून के पहले 15 दिनों में 58 हजार 822 किलो बिका था नैवेद्यम

बढ़ोतरी का ट्रेंड देखा जा रहा है। पहले यह राशि एक लाख रुपये प्रतिदिन के हिसाब से आती थी। लेकिन पिछले ढाई महीनों में प्रतिदिन औसतन एक लाख 48 हजार रुपये का दान मिल रहा है। बीते ढाई महीने में मंदिर को दान पात्र से एक करोड़ 12 लाख से ज्यादा की राशि मिल चुकी है।

इसके अलावा बीते ढाई महीनों में कर्मकांड के सभी मदों में कुल 96 लाख 67 हजार रुपए मंदिर को प्राप्त हुए हैं। जिसमें केवल रुद्राभिषेक में 20 लाख 68 हजार रुपये का शुल्क प्राप्त हुआ।

सौजन्य से हिन्दुस्तान । पटना । 21.06.2022 । पृष्ठ सं० 05

राहत : तीन दिन बाद पटना से खुलीं राजधानी और संपूर्ण क्रांति

संवाददाता ▸ पटना

अग्निपथ योजना के विरोध के बाद हुए बवाल के कारण तीन रद्द रहने के बाद सोमवार को राजेंद्र नगर टर्मिनल से राजधानी एक्सप्रेस व संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस खुलीं. इससे इन ट्रेनों से दिल्ली जाने वाले यात्रियों ने राहत की सांस ली. वहीं, ट्रेनों के बारे में अपडेट जानकारी लेने के लिए पटना जंक्शन के पूछताछ काउंटर पर शाम में यात्रियों की भीड़ रही. पटना जंक्शन पर यात्रियों ने बताया कि ट्रेनों के जाने व नहीं जाने को लेकर दोपहर तक संशय की स्थिति बनी हुई थी. दोपहर के बाद नयी दिल्ली

➲ पूछताछ काउंटर पर ट्रेनों की जानकारी लेने के लिए उमड़ी भीड़

के लिए ट्रेनों के चलाने की घोषणा के बाद राहत मिली. राजेंद्र नगर टर्मिनल से राजधानी एक्सप्रेस शाम 7:10 बजे के बदले रात आठ बजे खुली. वहीं, संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस शाम 7:25 बजे के बदले रात 8.15 बजे खुली. पटना जंक्शन पर ट्रेन के पहुंचने पर स्टेशन निदेशक नीलेश कुमार, स्टेशन मैनेजर सुनील कुमार सहित अन्य अधिकारी जायजा लेते रहे. जवान मुस्तैद दिखे.

पटना जंक्शन पर दिखी यात्रियों की भीड़-भाड़.

राजेंद्र नगर टर्मिनल से पांच और ट्रेनें खुलीं

राजेंद्र नगर टर्मिनल से सोमवार की रात में पांच और ट्रेनें खुलीं. इनमें राजेंद्र नगर-हावड़ा, दक्षिण बिहार, राजेंद्र नगर-बांका, कैपिटल व राजेंद्र नगर-एलटीटीइ एक्सप्रेस शामिल हैं. रेलवे के सूत्र ने बताया कि देर रात तक और भी ट्रेनें चलायी जायेंगी. सोमवार को दिन में पटना जंक्शन से अप में गाड़ी संख्या 15646 गुवाहाटी-एलटीटीइ व डाउन में गाड़ी संख्या 22564 उधना-जयनगर गुजरी.

सौजन्य से प्रभात खबर | पटना | 21.06.2022 | पृष्ठ सं० 03

आइटीआइ में 28 सौ सीटें बढ़ेंगी 14 नये विषयों की होगी पढ़ाई

संवाददाता ▷ पटना

राज्य के सरकारी आइटीआइ में 28 सौ सीटें बढ़ेंगी. बढ़ी हुई सीटों पर श्रम संसाधन विभाग ने नये ट्रेड विषयों की पढ़ाई शुरू करने का निर्णय लिया है. 149 सरकारी आइटीआइ में चरणवार सीट बढ़ाने का निर्णय लिया है. पहले चरण में सीट बढ़ाने की शुरुआत 14 आइटीआइ से होगी.इसके तहत 1050 सीटें इसी सत्र से बढ़ जायेंगी. सरकारी आइटीआइ में और विषयों की पढ़ाई शुरू होने से छात्र कम पैसे में ही प्रशिक्षण ले सकेंगे. वहीं, बढ़ी हुई सीटों के अनुसार विभाग ने प्रशिक्षण देने वाले इंस्ट्रक्टर (अनुदेशक) के 50 पद स्वीकृत कर दिये हैं. इन पदों पर बहाली की जायेगी. सरकारी आइटीआइ में 14 नये विषयों की पढ़ाई भी होगी.

इन आइटीआइ का किया गया चयन: जिन आइटीआइ का चयन किया गया है उनमें नवादा में इलेक्ट्रिशियन की दो यूनिट बढ़ेगी. बक्सर में इलेक्ट्रिशियन की चार यूनिट, बेतिया आइटीआइ में ड्राफ्टसमैन सिविल की दो और मैकेनिक मोटर व्हीकल की दो यूनिट, बेगूसराय आइटीआइ में फीटर की चार यूनिट, दरभंगा आइटीआइ में मैकेनिक मोटर व्हीकल की दो यूनिट, दीघा में मैकेनिक मोटर व्हीकल की दो, मैकेनिक ऑटो बॉडी रिपेयर की एक व मैकेनिक पेंटिंग की एक यूनिट बढ़ाने का निर्णय लिया गया है. हाजीपुर आइटीआइ में मैकेनिक इलेक्ट्रोनिक्स की दो और मैकेनिक डीजल की दो यूनिट बढ़ाने का निर्णय लिया गया है.

सौजन्य से प्रभात खबर | पटना | 21.06.2022 | पृष्ठ सं० 02

बिहार कोविड अपडेट

⇒ कुल सक्रिय मामलों की संख्या	312
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान नए पॉज़िटिव मामलों की संख्या	35
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या	31
⇒ कुल वैक्सीनेशन	13,45,85,833
⇒ कम से कम एक डोस	7,10,23,301
⇒ पूर्ण वैक्सीनेटेड	6,09,93,575

बिहार फाउन्डेशन नेटवर्क

विदेश अवस्थित चैप्टर

कतर
दक्षिण कोरिया
जापान
हॉग कॉग
यू.ए.ई.
सिंगापुर
बहरीन
न्यूजीलैंड
कनाडा
यू.एस.ए.
ऑस्ट्रेलिया
सऊदी अरब

देश अवस्थित चैप्टर

मुम्बई
हैदराबाद
पुणे
चेन्नई
नागपुर
गुजरात
कोलकाता
वाराणसी
गोवा

पाठकों से अपील

बिहार फाउन्डेशन के जुड़ने के लिए

बिहार फाउंडेशन उद्योग विभाग के अन्तर्गत राज्य सरकार की एक निबंधित सोसाईटी है जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के बाहर बसे देश-विदेश अवस्थित बिहारी समुदायों को उनके स्वयं के बीच तथा गृह राज्य के साथ जोड़ने का है। वर्तमान मे बिहार फाउंडेशन के कुल 21 चैप्टर्स हैं. बिहार फाउंडेशन से जुड़ने के लिए नीचे दिए वेबसाइट पर जाकर Non Resident Bihari Registration पर क्लिक करें और उपलब्ध फार्म को भरकर जमा करें -

https://biharfoundation.bihar.gov.in.